मेरे मन में बस गयी है मोहन छवि तुम्हारी | By Pandit Neeraj Ji

मेरे मन में बस गई है मोहन छवि तुम्हारी
नैनो में कैसा जादू मुस्कान कितनी प्यारी
मेरे मन में बस गई है.....

तेरी अदा के चर्चे होते गली गली में
कैसे तुम्हे भुला दूँ रहते हो मेरे दिल में २
मेरी धड़कनो में तुम हो हर सांस तुम पे वारी
मेरे मन में बस गई है मोहन छवि तुम्हारी

सुद्नर सी तेरी सूरत लगती है भोली भाली
गालों पे झूमती है भरे सी लट ये काली 2
मीठी सी तेरी बोली अधरों पे तेरे लाली
मेरे मन में बस गई है मोहन छवि तुम्हारी

दासी यशोदा कहती तूने ज़िन्दगी सँवारी
अपना बनाया मुझको मेरी हस्ती ही निखारी २
जाऊं मैं तेरे सदके तेरी हर छटा निराली
मेरे मन में बस गई है मोहन छवि तुम्हारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%ac%e0%a4%b8-%e0%a4%97%e0%a4%af%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b9%e0%a4%a8-%e0%a4%9b/